

लोकंदा पुं. (देश.) 1. लोक में प्रचलित एक प्रथा जिसके अनुसार वधू की डोली के साथ दास या दासी भी भेजी जाती है 2. इस प्रक्रिया में भेजा जा रहा दास 3. दुष्ट या चरित्रहीन व्यक्ति।

लोक पुं. (तत्.) 1. दृश्य जगत् जो आँखों से दिखता हो 2. विश्व का ऐसा खंड या भाग जहाँ विशिष्ट देवों के प्रसिद्ध स्थान हैं जैसे- शिवलोक, ब्रह्मलोक, यमलोक 4. पुराणोक्त तीन (स्वर्ग, मृत्यु, पाताल) लोक या चौदह (भूः भुवः स्वः, महः, जनः, तपः, सत्यम तथा अतल, वितल, सुतल, तलातल, रसातल, महातल, पाताल) लोक 5. व्यावहारिक जगत् या संसार 6. मानव जाति, लोग 7. प्रजा, जनता 8. वर्तमान जीवन 9. दृश्येंद्रिय या आँख 10. तीन, सात या चौदह की संख्या।

लोककंटक वि. (तत्.) समाज में जिसकी उपस्थिति काँटे की तरह अर्थात् चुभने वाली होती है, सभी को बुरा लगाने वाला (व्यक्ति), दुष्ट प्राणी।

लोककथा स्त्री. (तत्.) समाज में प्रचलित कहानी टि. कई बार विशिष्ट समाज से संबंधित प्राचीन या काल्पनिक कथाएँ (जैसे- परी कथा) बड़े-बूढ़े सुनाते हैं, इस प्रकार पीढ़ी दर पीढ़ी वह कथा सुनाई जाती रहती है।

लोककर्ता पुं. (तत्.) विश्व के निर्माता, ब्रह्मा, विष्णु, शिव।

लोककाम वि. (तत्.) 1. सांसारिक सुखों की कामना करने वाला, 2. उत्तम लोक की कामना करने वाला।

लोक-कार पुं. (तत्.) दे. लोककर्ता।

लोकगत वि. (तत्.) 1. लोक में प्रचलित और लोकरंजक 2. लौकिक, लोक संबंधी 3. लोक और जन-साधारण द्वारा अपनाया हुआ और उसके द्वारा स्वीकृत।

लोकगति स्त्री. (तत्.) लोक या जनसाधारण का चलन; लोकाचार।

लोकगाथा स्त्री. (तत्.) 1. लोक या जनसमाज में प्रचलित परंपरागत पद्यात्मक कथानक (विशेष रूप से गीत और पद्य के रूप में) आल्हा, हीर-राँझा आदि टि. मूल रचयिता से अपरिचित होते हुए, घटनाप्रधान प्रबंधपरक संगीतात्मक रचनाएँ जो प्रायः मौखिक रूप में लोक में प्रचलित हैं।

लोकगीत पुं. (तत्.) 1. जनसाधारण द्वारा गाँव और देहातों में गाये जाने वाले लयात्मक वे क्षेत्रीय गीत जो परंपरा से समाज में प्रचलित हैं 2. भिन्न-भिन्न पर्वों, त्यौहारों, धार्मिक उत्सवों तथा संस्कारों आदि के अवसरों पर नर-नारियों द्वारा गाये जाने वाले गीत। folk song

लोक-घोषणा स्त्री. (तत्.) सभी लोगों की जानकारी के लिए की जाने वाली घोषणा। manifesto

लोकचक्षु पुं. (तत्.) सूरज, सूर्य।

लोकचार पुं. (तत्.) लोकाचार, लोक का चलन।

लोकजित पुं. (तत्.) 1. महात्मा गौतम बुद्ध 2. (कोई भी) विश्वविजेता।

लोकजीवन पुं. (तत्.) 1. घरेलू और व्यक्तिगत जीवन-चर्या से भिन्न व्यक्ति के जीवन का वह भाग जिसमें वह सामाजिक एवं सार्वजनिक महत्व के कार्यों में संलग्न रहता है 2. लोक व समाज के कार्यों की अवधि या काल 3. सार्वजनिक सेवाओं में समर्पित जीवन। public life

लोकज्ञ वि. (तत्.) 1. लोक या समाज के लोगों के मनोभावों एवं प्रवृत्तियों की समझ रखने वाला या जानकार 2. लौकिक या सांसारिक व्यवहारों में कुशल, दुनियादार।

लोकटी स्त्री. (देश.) लोमड़ी।

लोकतंत्र पुं. (तत्.) प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राष्ट्र या राज्य पर सामान्य जन द्वारा शासन करने हेतु निर्धारित शासन प्रणाली, जनता द्वारा जनता के लिए जनता का शासन। democracy

लोकतांत्रिक वि. (तत्.) लोकतंत्र विषयक, लोकतंत्र संबंधी democratic